



अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (International Financial Services Centres Authority-IFSCA) अंतरराष्ट्रीय प्रतभूत आयोग संगठन (IOSCO) का एक सहयोगी सदस्य बन गया है।

- भारतीय प्रतभूत और वनियमि बोरड (SEBI) IOSCO का एक साधारण सदस्य है।

मुख्य बडि:

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (IFSCA):

- IFSCA की स्थापना अप्रैल 2020 में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण अधियक, 2019 के तहत की गई थी।
- एक IFSC घरेलू अर्थव्यवस्था के अधिकार क्षेत्र से बाहर के ग्राहकों को आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध कराता है।
- इसका मुख्यालय गांधीनगर (गुजरात) की गफिट सिटी (GIFT City) में स्थिति है।
- यह भारत में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (IFSC) में वित्तीय उत्पादों, वित्तीय सेवाओं और वित्तीय संस्थानों के विकास तथा वनियमन के लिये एक एकीकृत प्राधिकरण है।
- इसकी स्थापना IFSC में 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' को बढ़ावा देने और एक विश्व स्तरीय नयामक वातावरण प्रदान करने के लिये की गई है।

लक्ष्य:

- एक मज़बूत वैश्विक संपर्क सुनिश्चि करने और भारतीय अर्थव्यवस्था की ज़रूरतों पर ध्यान केंद्रि करने के साथ-साथ पूरे क्षेत्र तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिये एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मंच के रूप में सेवा प्रदान करना।

अंतरराष्ट्रीय प्रतभूत आयोग संगठन (IOSCO):

- स्थापना: अप्रैल 1983
- मुख्यालय: मेड्रिड, स्पेन
 - IOSCO का एशिया पैसिफिक हब (IOSCO Asia Pacific Hub) कुआलालंपुर, मलेशिया में स्थिति है।
- यह अंतरराष्ट्रीय संगठन विश्व के प्रतभूत नयामकों को एक साथ लाता है। IOSCO विश्व के 95% से अधिक प्रतभूत बाज़ारों को कवर करता है तथा प्रतभूत क्षेत्र के लिये वैश्विक मानक नरिधारक का कार्य करता है।
- यह प्रतभूत बाज़ारों की मज़बूती हेतु मानक स्थापति करने के लिये G20 समूह और वित्तीय स्थिरता बोरड (FSB) के साथ मलिकर काम करता है।
 - वित्तीय स्थिरता बोरड (FSB) एक अंतरराष्ट्रीय नकिया है, जो वैश्विक वित्तीय प्रणाली के संदर्भ में अपनी सफिराशें प्रस्तुत करता है।
- IOSCO के प्रतभूत वनियमन के सदिधांतों और लक्ष्यों को FSB द्वारा तर्कसंगत वित्तीय प्रणालियों के लिये प्रमुख मानकों के रूप में समर्थन प्रदान कया गया है।
- IOSCO की प्रवर्तन भूमिका का वसितार 'अंतरराष्ट्रीय वित्तीय रपिरटगि मानक' (IFRS) की व्याख्या के मामलों तक है, जहाँ IOSCO सदस्य एजेंसियों द्वारा की गई प्रवर्तन कार्रवाइयों का एक (गोपनीय) डेटाबेस रखा जाता है।
 - IFRS एक लेखा मानक है जसि अंतरराष्ट्रीय लेखा मानक बोरड (IASB) द्वारा वित्तीय जानकारी के प्रस्तुतीकरण में पारदर्शिता बढ़ाने के लिये एक सामान्य लेखांकन भाषा प्रदान करने के उद्देश्य से जारी कया गया है।

उद्देश्य:

- नविशकों की सुरक्षा, नषिपकष, कुशल और पारदर्शी बाज़ारों को बनाए रखने तथा प्रणालीगत जोखमिों को दूर करने के लिये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त एवं वनियमन, नरिीकषण व प्रवर्तन के मानकों का पालन सुनिश्चि करने, लागू करने और बढ़ावा देने में सहयोग करना।
- प्रतभूत बाज़ारों की अखंडता में सूचना के आदान-प्रदान और कदाचार के खिलाफ प्रवर्तन में सहयोग तथा बाज़ारों एवं बाज़ार के मध्यस्थों की

नगिरानी में सहयोग के माध्यम से नविशकों की सुरक्षा व वशिवास को बढावा देने के लयि ।

- बाज़ारों और बाज़ार के मध्यस्थों की नगिरानी तथा कदाचार के खलिाफ प्रवर्तन में मज़बूत सूचना वनिमिय एवं सहयोग के माध्यम से प्रतभूत बाज़ारों की अखंडता के प्रतनिविशकों के वशिवास व उनकी सुरक्षा को बढावा देना ।
- बाज़ारों के वकिस में सहायता, बाज़ार के बुनयिादी ढाँचे को मज़बूत करने और उचति वनियिमन को लागू करने के लयि अपनेअनुभवों के आधार पर वैश्वकि तथा कषेत्रीय दोनों स्तरों पर जानकारी का आदान-प्रदान करने के लयि ।

सदस्यता का महत्त्व:

- IOSCO की सदस्यता, IFSCA को सामान्य हतिों को लेकर वैश्वकि और कषेत्रीय स्तर पर जानकारी का आदान-प्रदान करने के लयि एक मंच प्रदान करेगी ।
- IOSCO प्लेटफॉर्म IFSCA को सुस्थापति अनुभवी वत्तीय केंद्रों के नयिमकों के अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने का अवसर प्रदान करेगा ।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/ifsca-becomes-associate-member-of-iosco>

